

आखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

नगर संस्करण प्रयागराज

मंगलवार 5 सितंबर 2023

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतश्चिति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेट

प्रयागराज से प्रकाशित

गरीबों के प्रति है सरकार की संवेदना: योगी

लखनऊः प्रदेश सरकार की मंशा साफ

है। हमारी मंशा के संवेदनाएं गरीब, नियाशित, बैरित, दलित और अति पिछड़े वर्ग के लोगों के साथ हैं। पिछली सरकारों से विपरीत, हमारी संवेदनाएं माफिया और किसी अपराधी के साथ नहीं हो सकती हैं बर्याक वह सुक्षा, सुशासन और विकास के मार्ग के बैरित हैं।

प्रदेश सरकार की कार्यप्रणाली और प्रायोगिकताओं की जानकारी देते हुए सीएम योगी आदित्यनाथ ने यह बातें की। लखनऊ शिथ्ति लोक भवन सभागार में अल्पसंख्यक तथा प्राविधिक शिक्षा विभाग के लिए कनिष्ठ सहायक व कंप्यूटर ऑफिस्टर के तौर पर कुल 240 अध्यर्थियों को नियुक्त पत्र वितरित करते हुए सीएम योगी आदित्यनाथ सहित कर दिया कि माफिया व अपराध तंत्र पर नकल करने, भ्रष्टाचार युक्त सुरक्षित व निष्पक्ष कार्यों की स्थापना एवं प्रदेश सरकार का फोकस है जिससे गरीबों को बिना किसी भेदभाव के उनका हक और सभी सरकारी योजनाओं का लाभ मिले।

मिशन रोजगार: लोकभवन सभागार में अल्पसंख्यक तथा प्राविधिक शिक्षा विभाग के लिए कनिष्ठ सहायक व कंप्यूटर ऑफिस्टर के तौर पर कुल 240 अध्यर्थियों को नियुक्त पत्र वितरित करते हुए सीएम योगी आदित्यनाथ सहित कर दिया कि माफिया व अपराध तंत्र पर नकल करने, भ्रष्टाचार युक्त सुरक्षित व निष्पक्ष कार्यों की स्थापना एवं प्रदेश सरकार का फोकस है जिससे गरीबों को बिना किसी भेदभाव के उनका हक और सभी सरकारी योजनाओं का लाभ मिले।

मिशन रोजगार के अंतर्गत मानव संपदा पोर्टल से अल्पसंख्यक व प्राविधिक शिक्षा में 240 चयनित अध्यर्थियों को नियुक्त पत्र वितरित करते सीएम योगी के प्रसन्नता व्यक्त करते हुए अध्यर्थियों व उनके परिजनों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि प्रेस्त्र के बुराओं को मिशन रोजगार के जरिए शासकीय सेवाओं के अंतर्गत निष्पक्ष व मानव हस्तक्षेप रहित प्रक्रिया अपनाकर नियुक्त

मिशन रोजगार: लोकभवन सभागार में अल्पसंख्यक तथा प्राविधिक शिक्षा विभाग के लिए कनिष्ठ सहायक व कंप्यूटर ऑफिस्टर के तौर पर कुल 240 अध्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित, हम अपाराधियों को खत्म कर सुरक्षित व निष्पक्ष समाज निर्माण के जरिए गरीबों को योजनाओं का लाभ देने का कर रहे हैं कार्यः सीएम योगी



ईंज ऑफ ड्लूइंग बिजनेस पर करना होगा फोकसः सीएम योगी

सीएम योगी ने कहा कि ईंज ऑफ ड्लूइंग बिजनेस के लिए सोनेए पहले 54 टेल घर जाता था मगर आज उसे सिंगल टेल कर दिया गया है। आप एयरपोर्ट पर जाते होंगे तो आपने देखा होगा वहाँ लोंग अमे बढ़ाने के इंविपेंट्स लगे होते हैं। ऐसे ही हमें ईंज ऑफ ड्लूइंग बिजनेस पर एक फोकस करना है। टेलोंलों ने इस काम को आसान

कर दिया है। कोरोना से लेकर अभी तक अनाज दम दे रहे हैं। एक करोड़ लोगों को हम बुद्धावश्य पेंसन के रूप में 1000 रुपए देते हैं जो बिना किसी मानवीय हस्तक्षेप पर एक लिंक से हो जाता है। सरकार की मंशा साफ है हमारी मंशा गरीब, नियाशित के प्रति है, एक दलित और अति पिछड़े व्यक्ति के साथ है।

नई दिल्लीः पीएम नरेंद्र मोदी ने 2014 में देश की सत्ता संभालने के बाद से पिछले 9 सालों में एक भी नहीं नहीं है। सरकार ने सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहाँ मांगी गई जनकारी के कानून में कहा है, पीएम हर समय ड्लूटी पर रहते हैं।

असम के सीएम ने शेयर किया जावाबः पुणे के आरटीआई एपिविस्ट प्राइल सारादा ने पीएमोंगे में आरटीआई दायर कर यह जनकारी मांगी थी। आरटीआई के जावाब टट्ट के अवर संचित परवेश कुमार ने दिया। वे आरटीआई प्रश्नों का जावाब देने वाले संबंधित मंत्रालय के सेंटरल पालिङ् इनफॉर्मेशन ऑफिसर हैं। जावाब की असम के लिए हमें देखा जानी जीवन से जुड़ा हो, कह सकता है कि थीक है स्वास्थ्य संबंधी चुनौती है। लेकिन काम से घर जाने वाले व्यक्तियों के लिए व्यापार जापान, आप उनके खाते में पैसे कैसे डालेंगे, महिलाओं पर एक बेहतर प्रबन्ध करेंगे, यह किसी के मन में नहीं आया होगा? ये केवल मोदी ही थी जो इस लेवल पर बार करते थे। विदेश मंत्री ने कहा कि अच्छे वे लोग होते हैं जो जीमी जीवन से जुड़े व अनुभवी होते हैं और उनमें देश की एक असम सरकार पर ले जाने का जुनून भी होता है। उन्होंने कहा कि मैं आपको बता सकता हूँ कि ऐसे लोग जीवन में एक बार आते हैं। जावाबकर ने कहा कि एक डिलोमेट के लिए व्यापार जापान, आप उनके खाते में पैसे कैसे डालेंगे साल महाराष्ट्र वीजोंप्री प्रमुख वंद्रवाला के लिए व्यापार जापान, आप उनके खाते में पैसे कैसे डालेंगे।

समय पीएम मोदी जैसा व्यक्ति होना देश का बहुत बड़ा सूचीबाट है। और मैं ऐसा इसलिए हूँ कह रहा हूँ त्योहार के तहाँ में पीएम हूँ और मैं उनके प्रतिमूर्ति का सदर्य हूँ। उन्होंने कहा कि मैं ऐसा इसलिए कर रहा हूँ व्यक्ति जब आपके सामने सदी में एक बार होने वाली स्वास्थ्य चुनौती (कोरोना) होती है, तो केवल वही व्यक्ति जो इनाम जीवन से जुड़ा हो, कह सकता है कि थीक है स्वास्थ्य संबंधी चुनौती है।

लेकिन काम से घर जाने वाले व्यक्तियों के लिए व्यापार जापान, आप उनके खाते में पैसे कैसे डालेंगे, महिलाओं पर एक बेहतर प्रबन्ध करेंगे, यह किसी के मन में नहीं आया होगा? ये केवल मोदी ही थी जो इस लेवल पर बार करते थे। विदेश मंत्री ने कहा कि अच्छे वे लोग होते हैं जो जीमी जीवन से जुड़े व अनुभवी होते हैं और उनमें देश की एक असम सरकार पर ले जाने का जुनून भी होता है। उन्होंने कहा कि मैं आपको बता सकता हूँ कि ऐसे लोग जीवन में एक बार आते हैं। जावाबकर ने कहा कि एक डिलोमेट के लिए व्यापार जापान, आप उनके खाते में कैसे डालेंगे।

सीएम योगी ने शेयर किया जावाबः पुणे के आरटीआई एपिविस्ट प्राइल सारादा ने पीएमोंगे में आरटीआई दायर कर यह जनकारी मांगी थी। आरटीआई के जावाब टट्ट के अवर संचित परवेश कुमार ने दिया। वे आरटीआई प्रश्नों का जावाब देने वाले संबंधित मंत्रालय के सेंटरल पालिङ् इनफॉर्मेशन ऑफिसर हैं। जावाब की असम के लिए हमें देखा जानी जीवन से जुड़ा हो, कह सकता है कि थीक है स्वास्थ्य संबंधी चुनौती है।

लेकिन काम से घर जाने वाले व्यक्तियों के लिए व्यापार जापान, आप उनके खाते में पैसे कैसे डालेंगे, महिलाओं पर एक बेहतर प्रबन्ध करेंगे, यह किसी के मन में नहीं आया होगा? ये केवल मोदी ही थी जो इस लेवल पर बार करते थे। विदेश मंत्री ने कहा कि अच्छे वे लोग होते हैं जो जीवन से जुड़े व अनुभवी होते हैं। उन्होंने कहा कि मैं आपको बता सकता हूँ कि ऐसे लोग जीवन में एक बार आते हैं। जावाबकर ने कहा कि एक डिलोमेट के लिए व्यापार जापान, आप उनके खाते में कैसे डालेंगे।

सीएम योगी ने शेयर किया जावाबः पुणे के आरटीआई एपिविस्ट प्राइल सारादा ने पीएमोंगे में आरटीआई दायर कर यह जनकारी मांगी थी। आरटीआई के जावाब टट्ट के अवर संचित परवेश कुमार ने दिया। वे आरटीआई प्रश्नों का जावाब देने वाले संबंधित मंत्रालय के सेंटरल पालिङ् इनफॉर्मेशन ऑफिसर हैं। जावाब की असम के लिए हमें देखा जानी जीवन से जुड़ा हो, कह सकता है कि थीक है स्वास्थ्य संबंधी चुनौती है।

लेकिन काम से घर जाने वाले व्यक्तियों के लिए व्यापार जापान, आप उनके खाते में पैसे कैसे डालेंगे, महिलाओं पर एक बेहतर प्रबन्ध करेंगे, यह किसी के मन में नहीं आया होगा? ये केवल मोदी ही थी जो इस लेवल पर बार करते थे। विदेश मंत्री ने कहा कि अच्छे वे लोग होते हैं जो जीवन से जुड़े व अनुभवी होते हैं। उन्होंने कहा कि मैं आपको बता सकता हूँ कि ऐसे लोग जीवन में एक बार आते हैं। जावाबकर ने कहा कि एक डिलोमेट के लिए व्यापार जापान, आप उनके खाते में कैसे डालेंगे।

सीएम योगी ने शेयर किया जावाबः पुणे के आरटीआई एपिविस्ट प्राइल सारादा ने पीएमोंगे में आरटीआई दायर कर यह जनकारी मांगी थी। आरटीआई के जावाब टट्ट के अवर संचित परवेश कुमार ने दिया। वे आरटीआई प्रश्नों का जावाब देने वाले संबंधित मंत्रालय के सेंटरल पालिङ् इनफॉर्मेशन ऑफिसर हैं। जावाब की असम के लिए हमें देखा जानी जीवन से जुड़ा हो, कह सकता है कि थीक है स्वास्थ्य संबंधी चुनौती है।

लेकिन काम से घर जाने वाले व्यक्तियों के लिए व्यापार जापान, आप उनके खाते में पैसे कैसे डालेंगे, महिलाओं पर एक बेहतर प्रबन्ध करेंगे, यह किसी के मन में नहीं आया होगा? ये केवल मोदी ही थी जो इस लेवल पर बार करते थे। विदेश मंत्री ने कहा कि अच्छे वे लोग होते हैं जो जीवन से जुड़े व अनुभवी होते हैं। उन्होंने कहा कि मैं आपको बता सकता हूँ कि ऐसे लोग जीवन में एक बार आते हैं। जावाबकर ने कहा कि एक डिलोमेट के लिए व्यापार जापान, आप उनके खाते में कैसे डालेंगे।

सीएम योगी ने शेयर किया जावाबः पुण

संपादक की कलम से

गुटनिरपेक्षता से लेकर अगले सप्ताह दिल्ली में जी-20

डॉ. अरुण मित्र

7वें गुटरिपेक्ष शिखर सम्मेलन के अध्यक्ष के रूप में भारत ने विकासशील देशों को निरस्त्रीकरण, समान विकास, मानवाधिकार, सभीका निर्भाई थी। उन्होंने फिलिस्तीनियों के हितों और मानवाधिकारों के अन्य मुद्दों के समर्थन में प्रस्ताव पारित किये थे। ऐसे फैसलों के लिए स्टेट्समैनशिप की जरूरत होती है। अगले सप्ताह दिल्ली में होने वाली जी-20 बैठक को लेकर काफी उत्साह पैदा किया जा रहा है, विशेष रूप से यह दिखाने के लिए कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कारण ही भारत को समूह की अध्यक्षता मिली है, तथा इसी का प्रचार जोर-शोर से किया जा रहा है। परन्तु मामले की सच्चाई यह है कि जी-20 में अध्यक्षता की एक चक्रीय प्रणाली है, जिसके तहत सभी सदस्य देशों को बारी-बारी से आयोजन का अवसर और अध्यक्षता और दी जाती है। दरअसल भारत पिछले साल जी-20 का अध्यक्ष बन सकता था लेकिन इसमें एक साल की देरी हो गई। जी-20 के पास चर्चा के लिए कई एजेंडे हैं, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण वैश्विक शांति और सभी के लिए स्वास्थ्य है। कई हिस्सों में चल रहे सशस्त्र संघों के कारण आज दुनिया बहुत गंभीर स्थिति में है। रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष इस समय सबसे गंभीर है। यूएनओ के अनुसार अब तक 3604

नागरिकों सहित 14400 से अधिक लोग मार गये हैं। 80 लाख से अधिक लोग बाहरी रूप से विस्थापित होकर दूसरे देशों में शरणार्थी के रूप में रह रहे हैं। मामला सिर्फ रूस और यूक्रेन के बीच नहीं रह गया है। अमेरिका और नाटो की स्पष्ट भागीदारी से चीजें बहुत आगे बढ़ गई हैं। दोनों पक्षों ने परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की चेतावनी दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के बयान जारी करने के बाद कि वह यूक्रेन को क्लस्टर हथियारों की आपूर्ति करेंगे, रूस ने चेतावनी दी है कि ऐसी विस्थिति में उनके पास परमाणु हथियारों का उपयोग करने के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं बचेगा। यह बहुत खतरनाक स्थिति है क्योंकि इस समय उस सीमा पर कोई भी परमाणु आदान-प्रदान रूस और यूक्रेन के बीच सीमित नहीं रहेगा। यह रूस और अमेरिका और नाटो के बीच परमाणु आदान-प्रदान होगा। नवीनतम वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार, इसका मतलब 5 अरब से अधिक लोगों की मृत्यु होगी जो हजारों वर्षों के मानव श्रम के माध्यम से निर्मित आधुनिक सभ्यता का अंत होगा। आईपीयीएनडब्ल्यू और पर्यावरण समूहों द्वारा किये गये अध्ययन ने पहले ही सूखूतों के साथ दिखाया है कि उदाहरण के लिए भारत और पाकिस्तान के बीच सीमित परमाणु आदान-प्रदान से भी 2 अरब से अधिक लोगों की मौत हो सकती है। लेकिन रूस और अमेरिका के बीच आदान-प्रदान कहीं अधिक विनाशकरी होगा। इसके अलावा अफ्रीका और एशिया के विभिन्न हिस्सों में भी संघर्ष चल रहे हैं। इन आतंकिक झगड़ों को अमीर देशों के विभिन्न अर्थिक हितों के लिए किसी न किसी रूप में अंतरराष्ट्रीय समर्थन प्राप्त है। फिलिस्तीन या सीरिया की स्थिति अत्यधिक मानवाधिकार उल्लंघन के उदाहरण हैं। इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि जी-20 परमाणु निरस्त्रीकरण जैसे सुझों पर कड़ा निर्णय ले और छोटे हथियारों के प्रसार पर रोक लगाये। हालांकि यह असंभावित लगता है क्योंकि जी-20 एक समरूप समूह नहीं है। यह बहुराष्ट्रीय निगमों और सैन्य औद्योगिक परिसरों पर हाथी स्व-हित वाले देशों का एक समूह है। यह गुटनिरपेक्ष आंदोलन (नैम) के विपरीत है जिसने प्रभावी कदम उठाए और विभिन्न देशों में निरस्त्रीकरण, विकास और मानवाधिकारों के मुद्दे पर गंभीर चिंताएं उठाईं। यह सर्वांगित है कि उस समय भारत ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

चांद सूरज के साथ ही दि

सुनील महला

भेजेगा। अब यहां हमें यह कि आखिर एल वन 1 जानकारी देना चाहूंगा किं ग्रेविटी है और धरती की किसी स्थान जहां सूरज और संतुलित हो जाती है, उसका कहा जाता है। पाठकों को इसकी धरती से सूरज की दूरी किलोमीटर है। इस दूरी पॉइंट्स हैं। इन्हें एल 1, 4 और एल 5 पॉइंट के रूप में जाना जाता है। इनका नाम 18वीं खगोलशास्त्री और गणितज्ञ के नाम पर रखा गया है। इनकी 3 स्थिति नहीं है और इनकी 4 है, जबकि एल 4 और एल 5 अपनी स्थिति नहीं हैं। इसका पहला पॉइंट है, जिसका नाम किलोमीटर दूरी है। एल 1 का पॉइंट, लैग्रेज पॉइंट, लिलवेल पॉइंट के तौर पर जाना जाता है। यह उठता है कि आखिर एल वन प्यार्ट लिए एल वन प्यार्ट को किसी बात का नाम दिया जाएगा? तो इसका उत्तर ऐसा स्थान है, जहां से सूरज की दूरी 24 घंटे नजर रखी जा सकती है। जहां धरती और सूरज की बीच एक बैलेस बन जाएगा।

रमेश सराफ धमार

शिक्षक हर व्यक्त के जीवन का राह हात हैं। शिक्षक ही है जो छात्रों को जीवन का नया अर्थ सिखाता है। वे हमें सही रस्ता दिखाते हैं और कुछ भी गलत करने से रोकते हैं। वे बाहर से देख सकते हैं। वे प्रत्येक छात्र की देखभाल करते हैं और उनके विकास की कामना करते हैं। उस छात्र को मत भलो जो छात्र अपने शिक्षकों का सम्मान नहीं करता है। वह जीवन में कभी आगे नहीं बढ़त है। शिक्षक छात्र के व्यक्तित्व को ढालते हैं। वे एकमात्र निःस्वार्थ व्यक्ति हैं जो खुशी-खुशी बच्चों को अपना सारा ज्ञान देते हैं। शिक्षक विद्यार्थियों के जीवन के वास्तविक निमार्ता होते हैं जो न सिर्फ हमारे जीवन को आकार देते हैं। बल्कि हमें इस कालिल बनाते हैं कि हम पूरी दुनिया में अंधकार होने के बाद भी प्रकाश की तरह जलते रहें। शिक्षक समाज में प्रकाश स्तम्भ की तरह होता है। जो अपने शिष्यों को सही राह दिखाकर अंधेरे से

'वन नेशन वन इलेक्शन' की ओर बढ़ता देश

अरावंद जयात्तलक

केंद्र की मोदी सरकार ने संसद के विशेष सत्र की घोषणा के बाद देश के पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता मैं एक देश एक चुनाव की संभावना तलाशने के लिए एक हाई लेवल कमेटी का गठन कर दी है। इस कमेटी में सात मेंबर शामिल किए गए हैं। इनमें केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, विपक्ष के नेता अधीर रंजन चैधरी, गुलाम नबी आजाद, फाइनेंस कमीशन के पूर्व चेयरमैन एन के सिंह, संविधानविद् सुभाष कश्यप, देश के जाने-माने एडवोकेट हरीश शाल्ल्ये और संजय कोठारी शामिल हैं। हालांकि अधीर रंजन चैधरी ने गृहमंत्री को पत्र लिखकर इस कमेटी में शामिल होने से इंकार कर दिया है। बहरहाल इस कमेटी का काम यह जानना होगा कि देश में एक साथ चुनाव कराए जाने में कितना वक्त लगेगा और कितने चरण में संपन्न हो सकता है। इसके अलावा इस कमेटी से यह भी पूछा गया है कि एक साथ चुनाव कराने के लिए किस तरह का सुरक्षा प्रबंध, कितना ईवीएम और कितना मैनपॉवर होना चाहिए। कमेटी को यह भी बताना है कि चुनावी प्रक्रिया बाधित न हो इसके लिए क्या संवेधानिक बदलाव होना चाहिए। गौर करें तो एक राष्ट्र, एक चुनाव का विचार कोई नया नहीं है। 1952 में प्रथम आमचुनाव से लेकर 1967 के चैथे आम चुनाव तक लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव साथ-साथ होते रहे। उसके बाद सत्तारुद दलों की महत्वकांक्षा और अनुच्छेद 356 का दुरुपयोग ने चुनावी कैलेंडर की तस्वीर बदल दी। यद दोगा गत वर्ष पहले प्रधानमंत्री नंदें मोदी ने अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों के 80वें सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित करते हुए कहा था कि पूरे देश में एक साथ चुनाव होना चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि लोकसभा, विधानसभा और पंचायत चुनावों के लिए एक ही निर्वाचन सूची होनी चाहिए। अलग-अलग सूची बनाना संसाधनों को बर्बाद करने जैसा है। अगर एक राष्ट्र, एक चुनाव फलीभूत होता है तो निःसंदेह देश का फायदा होगा। धन के अपव्यय से बचा जा सकेगा। वैसे भी इस मसले पर चुनाव आयोग, नीति आयोग और

है, इस फोर्स की ट एक जगह स्थिर वा इस स्थान को नल प्रभावित नहीं दिन और 24 घण्टे पृथ्वी के नजदीक अपनी आसानी होती खाउंट को हमारे है। हाल फिलहाल ऐसी इसरो का यह त्रैयी पच्चीस दिनों की ध भारत का पहला ग्राहित्य-एल 1 के प्रसरण के हमारे सभी की टीम को बहुत मेशन के कुछ समय क मेन्हनत, लगन व दिल जीत लिया। लए हमारे देश के लातार मेन्हनत कर रहे हैं सौर मिशन लांच अंतरिक्ष के क्षेत्र में। चंद्रयान-3 मिशन सरो का यह मिशन भी ईश्वर से कामना करारी मिलती है कि संबंधित विभिन्न कर रहा है। शुक्र ग्रह पर मिशन भेजना भी इसमें शामिल बताया जा रहा है। जानकारी यह भी मिलती है कि जापान की स्पेस एजेंसी जाक्सा और भारत की स्पेस एजेंसी इसरो एक साथ मिलकर साल 2024-25 में चांद पर एक और मिशन प्लान कर रहे हैं, जिसका नाम है ल्यूप्रेस। यानी कि लूनर पोलर एक्स्प्लोरेशन। इसका मकसद स्थाई रूप से ढके हुए चांद को ध्रुव के बारे में जानकारी हासिल करना है। यहां तक कि इसरो भविष्य में ऐसे सैटेलाइट लांच करने के बारे में लगातार काम कर रहा है जो वापस धरती पर लौट सके। जानकारी देना चाहूंगा कि भारत अंतरिक्ष में जो भी सैटेलाइट लांच करता है, वे अंतरिक्ष से वापस लौटकर धरती पर नहीं आते हैं। मतलब यह है कि इसरो अब सैटेलाइट के रिटर्न मिशन में लगातार लगा है। उल्लेखनीय है कि चीन वर्ष 2020 में एक ऐसा मिशन भेज चुका है। वास्तव में चीन ने 23 नवंबर, 2020 को चांग ई-5 नाम से सैटेलाइट को लॉन्च किया था और वह सैटेलाइट 1 दिसंबर 2020 को चांद की सतह पर पहुंचा था तथा फिर 16 दिसंबर 2020 को चीन का स्पेसक्राफ्ट धरती पर भी लौट आया था। पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि इसरो अपने गगनयान प्रोजेक्ट में इंसानों के साथ स्पेसक्राफ्ट को करीब 400 किमी दूर भेजने और फिर उन्हें वापस भारतीय समंदर में लैंड करवाने की योजना बना रहा है। इसरो ने इसके लिए तैयारी भी शुरू कर दी है।

य परम्पराओं दी आदी हो चुकी है। यह दोनों के नेतृत्व में एक पार्टी की केन्द्रीय परम्परा के इतिहास पर अवश्यक और साबित कर देती है कि गैजिमेंटर ही तासे भी कोई दूषण नहीं है। ऐसे वक्त जब गठबन्धन डॉ डेवलपमेंटल कांगड़ा में 31 अप्रैल 2024 को विशेष सभा लेगा। उस सभा में उनकी रणनीति का संसदीय मंत्री प्रवक्तवारी दी किया जाएगा। उनकी उपचारा का जारी करना वाही में लाना चाहिए। तरह से देश के लिए जैसा है कि लोगों द्वारा किसी लोगों के द्वारा हुई सरकार का जवाब में है। यह इंडिया के लिए एक बड़ा कार्यवाही में लाना चाहिए।

नी अवहेलना की प्रधानमंत्री वाली भारतीय सरकार ने आगे बढ़ाते हुए फली बार विशेष सत्र या है कि वह बरन उसका नेना-देना नहीं में जब संयुक्त डिया (ईंडियन इन्क्लूजिव अगस्त व 1 के लोकसभा में व्यस्त था, हाद जोशी ने 18 से 22 त्र होगा। भले ही उपर्युक्त कर रहा लेकिन को अंधेरे में स्पॉकिंग यह कलात्रिक रूप की नहीं हो सकता कि वही चाहिये। कथायां हैं। होने जा रहे

लोकसभा को लेने की सम्भाव में संशोधन, चुनामोदी को हमेशा जाने जैसी गुंजाई है। चीन द्वारा नवाचार (जिसमें अरुण विहंसा, गौतम ३-खुलासे, महंगाई हैं) जिनके बारे में जा रहे हैं कि इनकोई बात करना जानकारी किसी परिक्रमा के फिर, हाल ही में हो चुका है। क्या विषयों पर तब सवाल यह भी संसदों को विषय लगाने के लिये नहीं सूचना के जानकारी दे तकेवल सत्ता के अन्य लोगों के वचित रखा जा का क्यों है, एकाध दिन के तमाशों के आये सप्रकार द्वारा भी

समय से पहले करा गया से लेकर सविधान वाक टाल देने या फिर वक्त के लिये पीएम बनाये इशें टटोली जा रही थी। नक्शा जारी करना चल प्रदेश को चीन द्वारा गया है), मणिपुर दीनी को लेकर नये आदि अनेक विषय अनुमान व्यक्त किये गए मसलों पर सरकार आगा चाहती है। सही वक्त के भी पास नहीं है। अंत में तो संसद का सत्र नहीं नहीं सरकार ने इन चर्चा कर ली? यह कि किंवदं लोगों या यों को लेकर क्यास छोड़ा जाये? क्यों साथ ही विषय की गई गई? संसद पर हक नहीं है, जो इसकी सूचना से नहीं है। यह सत्र 5 दिनों तक जबकि विशेष सत्र नहीं होते हैं? दुर्भाग्य से जनों में पारप्रश्न मोदी द्वेष्ट बना गई है। अखिरकार विशेष सत्र कोई मजा नहीं होता और न ही उसे सत्तापन का कोई विशेषाधिकार समझा जाता बावजूद इसके कि सरकार को ऐसे करने का पूरा हक है। तो भी, इस अधिकार का प्रयोग बहुत गम्भीर से; और बेहद खास उद्देश्यों व लेकर होना चाहिये। विशेष सत्र विषय क्या है, यह किन परिस्थिति में आयोजित किया जा रहा है अंत इसे बुलाये जाने का प्रयोजन क्या है यह सारा कुछ सरकार को बतलाया चाहिये था। यह सूचना प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से तथा बाकायदा एवं अधिसूचना जारी कर नागरिकों व देनी थी। संसद पर पहला हक नागरिकों का होता है, चाहे वे स्वदेशी इसके प्रत्यक्ष सदस्य न हों।

जो सदस्य दोनों सदनों में बैठते वे अंततः जनसामान्य की नुमाइंदगी करते हैं। सरकार को पहला तो इस पर सर्वदलीय बैठक बुलाया चाहिये थी, फिर अपना उद्देश्य बतलाना चाहिये था। मोदी सरकार द्वारा संसदीय गरिमा व परम्पराओं व ध्वस्त करने की पूरी श्रृंखला जिसकी एक और कड़ी का सम्बन्ध इसी एपीसोड से है।

राष्ट्र के प्रकाश स्तम्भ होते हैं शिक्षक

शिक्षक हर व्यक्ति के जीवन की रीढ़ होते हैं। शिक्षक ही है जो छात्रों को जीवन का नया अर्थ सिखाता है। वे हमें सही रास्ता दिखाते हैं और कुछ भी गलत करने से रोकते हैं। वे बाहर से देख सकते हैं। वे प्रत्येक छात्र की देखभाल करते हैं और उनके विकास की कामना करते हैं। उस छात्र को मत भूलो जो छात्र अपने शिक्षकों का समान नहीं करता है। वह जीवन में कभी आगे नहीं बढ़ता है। शिक्षक छात्र के व्यक्तित्व को ढालते हैं। वे एकमात्र निःस्वार्थ व्यक्ति हैं जो खुशी-खुशी बच्चों को अपना सारा ज्ञान देते हैं। शिक्षक विद्यार्थी के जीवन के वास्तविक निर्माता होते हैं जो न सिर्फ हमारे जीवन को आकार देते हैं। बल्कि हमें इस काबिल बनाते हैं कि हम पूरी दुनिया में अंधकार होने के बाद भी प्रकाश की तरह जलते रहें। शिक्षक समाज में प्रकाश स्तम्भ की तरह होता है। जो अपने शिष्यों को सही राह दिखाकर अंधेरे से

बलक के जावन में शिक्षक एक होता है जो उसे शिक्षित तो करता ही है उसे अच्छे बुरे का ज्ञान भी कर पहले के समय में तो छात्र गुरु शिक्षक के पास रहकर वर्षों विद्या करते थे। उस दौरान गुरु अपने शिविद्या अध्ययन करवाने के स्वावलंबी बनने का पाठ भी पढ़ायी लिए कहा गया है कि गुरु गोविंद खड़े कोके लागू पाप, बलिहारी गुरु गोविंद दियो बताए। गुरु का स्थान भी बड़ा माना गया है, क्योंकि गुरु वे से ही व्यक्ति ईश्वर को भी प्राप्त व हमारे जीवन को संवारने में शिक्षा दी और महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। सफलता प्राप्ति के लिये वो हमें कर से मदद करते हैं। जैसे हमारे ज्ञान, के स्तर, विश्वास आदि को बढ़ाते हमारे जीवन को सही आकर्ष में ढंग करवाए। दास ने शिक्षक के कार्य पर्चियों में समझाया है:-
गुरु कुम्हर शिष्य कुंभ है, गढ़ि ग

सा गुरु
है साथ
ता है।
ल में
ध्ययन
यों को
थ ही
ते थे।
द दोऊ
आपने
वर से
माध्यम
ता है।
एक
ते है।
प्रकार
कौशल
है तथा
नते है।
को इन
का छढ़ै

खाट, अतर हाथ सहार द, बाहर बाह
चोट

कबीर दास जी कहते है कि शिक्षक एक
कुम्हार की तरह है और छात्र पानी के घड़े
की तरह। जो उनके द्वारा बनाया जाता है
और इसके निर्माण के दौरान वह बाहर से
घड़े पर चोट करता है। इसके साथ ही सहारा
देने के लिए अपना एक हाथ अंदर भी
रखता है। देश के पूर्व राष्ट्रपति डॉ
राधाकृष्णन का जन्म पांच सितम्बर 1888
को तमिलनाडु के तिरुमनी गांव में एक
ब्राह्मण परिवार में हुआ था। वे बचपन से ही
किताबें पढ़ने के शौकीन थे और स्वामी
विवेकानन्द से काफी प्रभावित थे। डॉ
सर्वपल्ली राधाकृष्णन एक महान शिक्षक
थे। जिन्होंने अपने जीवन के 40 वर्ष
अध्यापन पेश को दिया है। वो विद्यार्थियों के
जीवन में शिक्षकों के योगदान और भूमिका
के लिये प्रसिद्ध थे। इसलिये वो पहले व्यक्ति
थे जिन्होंने शिक्षकों के बारे में सोचा और हर
वर्ष 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के रूप में
मनाने का अनुरोध किया। उनका निधन 17

डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन
चेन्नई के प्रेसिडेंसी कॉलेज
में प्रवेश करने के साथ
शिक्षक के रूप में अप्रू
शुरुआत की थी। उन्होंने
कॉलकाता, बैसूर जैसे
विश्वविद्यालयों तथा विदेशी
ऑक्सफोर्ड जैसे विश्व
दर्शनशास्त्र पढ़ाया था। उन्होंने
प्रति अपने समर्पण की वजह
में विश्वविद्यालय छात्रवृत्ति
अध्यक्ष नियुक्त किया गया
में शिक्षकों को चरण स्पर्श
जाता था। परन्तु आज के
और छात्र दोनों ही बदल गए।

पहले शिक्षण एक पेशे
उत्साह और एक शौक व
अब यह मात्र एक आजीवी
साधन बनकर रह गया।
व्यक्ति के जीवन में बहुत

हुआ था।
ने 1909 में 3 अध्यापन पेश किए ही दर्शनशास्त्र विद्यालयों में ने करियर करना बनारस, चैनई कई प्रसिद्ध विद्यालयों में लंदन विद्यालयों में अध्यापन पेशे के लिए उच्च से उच्चे 1945 तक कमीशन करना था। पुराने समय कर सम्पादन दिया गया इसमय में शिक्षक वैयक्ति है। ना होकर एक विद्यालय कार्य था। प्रत्येक विद्यालय का एक ही महत्वपूर्ण

भूमिका न भूलें।
गुरु, मित्र
भूमिकाएं नहीं
निर्भर करता।
कैसे परिभासा
के ने इसे नीचे
तरीके से साझा
जाकी रही
तिन तैसी
संत तुलसी
गुरु एक व्य
जैसा कि वह
अर्जुन भगवान
मानते थे। वह
को शिक्षक के रूप
कहते हैं कि वह
होता है। शिक्षक
विश्वविद्यालय
शिक्षक और
खुबी और
इस दिन विद्या

तत ह। शाशक एक मानवशक्ति, होने के साथ ही और कई भारत है। यह विद्यार्थी के उपर है कि वह अपने शिक्षक को बत देता है। संतुलित दास वे के पक्षियों में बहुत ही अच्छे जाना है।

भावना जैसी, प्रभु मृत देखी

दास ने बताया है कि भगवान्, तिक को वैसे ही नजर आयेगा ह सोचेगा। उद्धारण के लिए जन श्रीकृष्ण को अपना मित्र ठहीं मीरा बाई भगवान् श्रीकृष्ण प्रिया। ठीक इसी प्रकार से यह उपर भी लागू होता है। इसीलिए शिक्षक समाज का पथ प्रदर्शक दिवस को स्कूल, कॉलेज, विद्यालय और शैक्षणिक संस्थानों में विद्यार्थियों के द्वारा बहुत ही उत्साह के साथ मनाया जाता है। विद्यार्थियों से शिक्षकों को फेर सारी

विदेश संदेश

पाकिस्तान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री काकर की 'कश्मीर' पर दुनिया को चेतावनी

इस्लामाबाद। आगामी आम चुनाव के महेनजर कुछ दिन पहले पाकिस्तान की कानून संभालने वालों कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवर-उल-हक काकर को जुबान भी कश्मीर पर करने की हो गई है। काकर ने चेतावनी दी है कि संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों के अनुसार कश्मीर मुद्दे का शांतिपूर्ण समाधान न हुआ तो यह न केवल भारत और पाकिस्तान बल्कि पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय होगा।



स्थानीय मीडिया रिपोर्टर्स के मुताबिक काकर ने यह टिप्पणी मुल्क के एक न्यूज चैनल से साक्षात्कार के दौरान की। उन्होंने कहा कि वे (पाकिस्तान) भारत के साथ युद्ध की ओर और नाहीं जाना चाहते। कश्मीर को मुख्य मुद्दा बताने का मतलब यह है कि हम भारत के साथ हर समय युद्ध चाहते हैं। नई दिल्ली के साथ इस्लामाबाद के पारंपरिक और ऐतिहासिक संबंध दोस्ताना नहीं रहे हैं। इस साक्षात्कार में काकर ने मूल्क में 9 मई की हिंसा को तखापलट और गृह युद्ध का प्रयास बताया। साथ ही पाकिस्तान तहरीक-ए-इस्लाम के अध्यक्ष इमरान खान की गिरफतारी के बाद हुए दोनों की निंदा की।

यमन की राजधानी सना के गैस स्टेशन में शक्तिशाली विस्फोट

सना। यमन की राजधानी सना में एक गैस स्टेशन में हुए शक्तिशाली विस्फोट से पूरा शहर दहल उठा। अधिकारियों और प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हीथों नियंत्रित यमन की राजधानी सना में



हुआ यह विस्फोट इतना तेज था कि आसपास भीषण आग लग गई।

स्थानीय मीडिया रिपोर्टर्स अधिकारियों और प्रत्यक्षदर्शियों के हवाले से कहा गया है कि यह विस्फोट सना के मुकजेर गैस स्टेशन पर हुआ। यह स्टेशन राजधानी के उत्तर पूर्वी हिस्से में अल-खुराफी सैन्य शिविर के पास है। आग की लपेट मीलों दूर तक दिखाई दी। विस्फोट के बाद हीथों वहाँ से पैरे क्षेत्र को घेर लिया। फिलहाल किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। हीथों समूह ने एक बयान में शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगाने की आशंका जताई है।

चीन की सैन्य क्षमता कम करने के लिए अत्यधिक चिप नहीं बेचेगा अमेरिका

वाशिंगटन। चीन की सैन्य क्षमता कम करने के प्रयास में अमेरिका जरूरी अत्यधिक चिप चीन को नहीं बेचेगा। अमेरिका की वाणिज्य मंत्री जीन राययोंडो ने यह जानकारी एक टेलीविजन कार्यक्रम के दौरान दी। अमेरिका की वाणिज्य मंत्री जीन राययोंडो ने कहा कि हम उनकी सैन्य क्षमता को कम करने के प्रयास कर रहे हैं। आर ऊह ऐसा आभास हो रहा है कि तो मतलब हमारी गणराज्य का कम कर रही है। नियंत्रित तौर पर हम चीन को सैन्य क्षमता बढ़ाने के लिए अपने सबसे परिवर्तन (रिफ़ाइन) चिप नहीं बेचने जा रहे हैं। हम इस पर कोई समझौता नहीं करेंगे। राययोंडो ने इसे एक जटिल संबंध बताते हुए कहा कि वास्तव में इसे असाम समझने वाली बात का तरीका नहीं रखा जाता। उन्होंने कहा कि चीन को लेकर कोई नंबर पर फोन करके कोई भी नागरिक अपनी समस्या से सरकार को अवगत करा सकता है।



प्रधानमंत्री प्रचंड ने जनता की शिकायत सुनने के लिए शुरू करने के बाद नौ और दस चौथाई बैठक में हिस्सा लेंगे। इसके बाद नौ और दस चौथाई बैठक में आम जनता की समस्याओं से सीधे चीन के लिए यह कॉल सेंटर काफी कारबार साबित होने वाला है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सुशासन लागू करने के उनके इस अभियान में यह कॉल सेंटर काफी कारबार साबित होने वाला है।

प्रधानमंत्री प्रचंड ने यह कॉल सेंटर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि आम जनता की समस्याओं से सीधे चीन के लिए यह कॉल सेंटर काफी कारबार साबित होने वाला है।

प्रधानमंत्री ने 'हेलो सरकार'

में अपनी शिकायत दर्ज करने के लिए आम जनता से टोल फ़ि

लिए एक संकीर्ण रेखा रखना चाहते हैं।

काठमांडू। चीन के नए नक्शे को लेकर नेपाल की संसदीय समिति प्रधानमंत्री से जवाब तलब करने के फैसला किया। संसद की अंतरराष्ट्रीय समिति ने इस बारे में प्रधानमंत्री को समिति में आकर जवाब देने को कहा है।

अंतरराष्ट्रीय संसदीय समिति के अध्यक्ष राजकिशोर यादव ने कहा कि चीन के नए नक्शे पर सबल जवाब के लिए प्रधानमंत्री

अखंड भारत संदेश

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक

स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर

योग सत्यग समिति

द्वारा विनिय इन्टरप्राइजेज

1/6C माधव कुंज

कट्टर प्रयागराज से मुद्रित

एवं

क्रियायोग आग्रह एवं अनुसंधान संस्थान

झूली, प्रयागराज उत्तर प्रदेश

से प्रकाशित।

सम्पादक

स्वामी श्री योगी सत्यम्

RNI No: UPHIN/2001/09025

अपिक्स मो:

9565333000

Email:-

akhandbharatsandesh1@gmail.com

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र

प्रयागराज होगा।

प्रधानमंत्री के प्रस्तावित चीन भ्रमण में इस मुद्दे को उठाने के लिए कहा जाएगा।



समिति में प्रधानमंत्री को बुलाकर नए नक्शे के बाद चीन

नोट के बारे में भी जानकारी ली जाएगी। समिति के अध्यक्ष ने कहा

नोट के बारे में भी जानकारी ली जाएगी। समिति के अध्यक्ष ने कहा

नोट के बारे में भी जानकारी ली जाएगी।

नोट के बारे में भी जानकारी ली जाएगी।